शनिवार

09 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 184
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सीएम की दो महत्वपूर्ण घोषणाएं

●प्रभावितों को देंगे 5-5 लाख रुपये ●सुदृढीकरण हेतु समिति का गठन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद उत्तरकाशी के धराली गांव में हालिया आपदा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और राहत के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। यह कदम राज्य सरकार की संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन के प्रति तत्परता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि ग्राम धराली, तहसील भटवाड़ी, जनपद उत्तरकाशी में आपदा से जिन लोगों के मकान पूर्णत: क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उनके पुनर्वास/विस्थापन हेतु 5 लाख रूपये की तत्काल सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, आपदा में मृतकों के परिजनों को भी 5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी, ताकि उन्हें इस कठिन समय में आर्थिक सहारा मिल सके। मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित ग्राम वासियों के पुनर्वास, समग्र पुनरुद्धार, एवं स्थायी आजीविका के सुदृढ़ीकरण के लिए एक तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की है।

यह समिति सचिव, राजस्व की अध्यक्षता में गठित की गई है, जो एक सप्ताह के भीतर अपनी प्राथमिक रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगी। यह समिति ध राली गांव के भविष्य के लिए दीर्घकालिक एवं प्रभावी नीति का खाका तैयार करेगी, जिससे स्थानीय समुदाय की सुरक्षा और आजीविका सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार हर आपदा प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। शासन स्तर पर राहत एवं पुनर्वास की कार्यवाही को त्वरित और प्रभावशाली रूप से क्रियान्वित किया जाएगा।

आपदा प्रभावितों का फूटा गुस्सा

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। धराली आपदा जिसको 2013 की केदारनाथ आपदा जैसा ही बताया जा रहा है, का सच क्या छुपाया जा रहा है? सरकार द्वारा 5 दिन बाद भी मृतकों और लापता लोगों की सही जानकारी क्यों नहीं दी जा सकी है? तथा आपदा प्रभावितों तक कितनी मदद पहुंचाई जा सकी है? आदि-आदि कुछ ऐसे सवाल हैं जिन्हें लेकर प्रभावितों का आक्रोश और गुस्सा तो फूट ही रहा है अब इसे लेकर स्थानीय लोग केंद्र की मोदी और सूबे की धामी सरकार को 'घाम तापने' की नसीहतें दे रहे हैं।

●केंद्र व धामी सरकार के खिलाफ की नारेबाजी ●5 दिन बाद भी लापता व मृतकों की सूची जारी नहीं ●प्रभावितों ने पांच-पांच हजार की मदद को नकारा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ ऑडियो और वीडियो धराली आपदा प्रवाहितों के दर्द और 5 दिनों में किए गए बचाव व राहत कार्यों से इस कदर नाराज है कि उन्होंने धराली प्रभावितों को प्रशासन द्वारा बांटे जाने वाले पांच-पांच हजार के चेक लेने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि 5 दिनों से वह भूखे प्यासे हैं और अंधेरे में अपने बच्चों के साथ रातें गुजार रहे हैं। आसमान में हेलीकॉप्टर और चिनूक तो उड़ रहे हैं लेकिन उनके पास मोमबत्ती और खाना पहुंचाने में सरकार व प्रशासन को 5 दिन का समय लग गया। क्षेत्र वासियों का कहना है कि वह जंगल में रह रहे हैं और उन्हें इधर-उधर रखा जा रहा है जिससे कि उन्हें सही स्थिति का भी पता नहीं चल पा रहा है कि उनके कितने लोग कहां हैं तथा किस हाल में है। प्रशासन द्वारा सहायता राशि के पांच-पांच हजार के चेक लेने का भी सामूहिक रूप से उनके द्वारा बहिष्कार कर दिया गया और धामी सरकार तथा मोदी सरकार के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की गई तथा उनके द्वारा 'घाम तापने' के नारे भी लगाये जा रहे हैं।

उधर एक ऑडियो में एक महिला जो अपने आप को भाजपा की पदाधिकारी बता रही है बॉबी पवार को बताती है कि सरकार आपदा का सच छुपाने की कोशिश कर रही है। उनकी सीएम के साथ हुई वार्ता में उनकी आवाज को नहीं सुना जा रहा है। आपदा में कितने लोग मारे गये हैं कितने लापता है इसकी कोई जानकारी किसी को नहीं दी गई है। उन्होंने मीडिया पर सरकार के अनुरूप काम करने का आरोप लगाया है। शासन का पूरा फोकस वैली ब्रिज व सड़कों को ठीक करने पर लगा है आपदा में मरने व लापता लोगों पर नहीं है। उधर लापता लोगों के परिजन भी अपनों की तलाश में है उनकी कोई सुनने वाला नहीं है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सत्ता की विश्वसनीयता जरूरी

इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के युवाओं तथा गरीब व छोटे-मोटे व्यवसाईयों की और किसानों की समस्याओं को लेकर कुछ ज्यादा ही बेचैन दिखाई दे रहे हैं अभी कुछ दिन पहले उन्होंने देश के युवाओं और एमएसएमई क्षेत्र के लोगों को भरोसा देते हुए कहा था कि वर्तमान समय में सभी राष्ट्र अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए काम कर रहे हैं तथा वह भी देश के युवाओं व छोटे व्यापारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। राष्ट्र हित में सभी को एकजुट होकर काम करने की नसीहत भी उनके द्वारा दी गई। बीते कल उन्होंने देश के किसानों के हितों के साथ कोई समझौता न करने की बात ही नहीं कहीं बल्कि यहां तक कहा कि इसके लिए अगर उन्हें व्यक्तिगत और निजी तौर पर भी कोई कुर्बानी देनी पड़ती है तो वह उसके लिए भी तैयार है। उनकी इन तमाम बातों को सुनकर ऐसा लगता है कि जैसे वह फिर से एक नए रूप में राजनीति में अवतरित हुए हैं और अब वह देश के तमाम युवा बेरोजगारों, किसानों और लघु एवं सूक्ष्म उद्यमियों के कल्याण को लेकर अत्यंत ही बेचैन है। देश के लोग उनकी बात पर भरोसा ही नहीं कर पा रहे हैं। बीते 10 सालों से उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार केंद्रीय सत्ता में है। उनके कार्यकाल की शुरुआत ही 'अच्छे दिन आने वाले हैं, से हुई थी। उनके द्वारा ही देश के लोगों से यह वायदा किया गया था कि सत्ता में आने के 100 दिनों के अंदर विदेशों में जमा काले धन को वापस लाया जाएगा और देश के हर गरीब के खाते में 15-15 लख रुपए डाले जाएंगे। लेकिन सत्ता में आने के बाद जब भाजपा के नेताओं ने सालों साल इस पर एक बार भी बात नहीं की गई तो लोगों को पूछना तो था ही कि उस काले धन का क्या हुआ। तब खुद गृहमंत्री अमित शाह ने ही इसे चुनावी शगुफा बता दिया गया। दो करोड़ युवाओं को हर साल रोजगार देने की बात भी किसी और ने नहीं कही थी और न देश के किसानों की आय दो गुना करने का वायदा विपक्ष के नेताओं द्वारा किया गया था। सत्ता और सरकार में शीर्ष पर बैठे नेताओं ने ही किया था, क्या इन वायदों को सरकार ने पूरा किया? और अगर नहीं किया तो देश के लोग उन बातों पर कैसे भरोसा कर ले, जो अब उनके द्वारा की जा रही है। लोग अब इन्हें भी सत्ता में बैठे लोगों की सगूफेबाजी बता या समझ रहे हैं तो इसमें उनका क्या दोष है। देश में वर्तमान सरकार द्वारा जो नोटबंदी का फैसला काले धन और आतंकवाद के सफाये के लिए किया गया था उस काले धन और आतंकवाद का सफाया भले ही न हुआ हो लेकिन इस देश के एमएसएमई क्षेत्र का सफाया जरूर हो गया। जिनके हितों के लिए वर्तमान समय में सरकार में शीर्ष पर बैठे नेता बड़ा बलिदान देने का दावा कर रहे हैं। जिन देश के किसानों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून लाने की एकमात्र मांग को सरकार ने उनके सालों सड़क पर धरना देने और 700 से अधिक लोगों की जान देने पर भी नहीं माना, आज उसके नेता किसानों के हितों से कोई समझौता न करने की बात कह रहे हैं तो उस पर भला कोई कैसे भरोसा कर सकता है। सरकार ने आज जनता का भरोसा खो दिया है तो इसके लिए कोई और नहीं खुद सत्ता में बैठे नेता ही जिम्मेदार है। कोई भी व्यक्ति या सत्ता अपनी ऊंची आवाज से सच को खामोश तो कर सकती है लेकिन सच की आवाज अगर किसी देश आवाम द्वारा उठाई जाती है तो झूठ पर टिकी सत्ता की बड़ी से बड़ी और बुलंद इमारत भी हिलने लगती है। इस नैसर्गिक सत्य को सत्ता को स्वीकार करने की भी जरूरत है। कोई सत्ता झूठ के सहारे बहुत लंबे समय तक कायम नहीं रह सकती है। किसी की सत्ता सिर्फ तब तक कायम रहती है जब तक सत्ता पर आम आदमी का भरोसा कायम रहता है।

'उत्तरकाशी की त्रासदी केदारनाथ में हुई आपदा की पुनरावृत्ति'

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन की बैठक में वक्ताओं ने कहा कि उत्तरकाशी की त्रासदी 12 साल पहले केदारनाथ में हुई आपदा की पुनारावृत्ति है।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा नेमीरोड पर संगठन कार्याल में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि उत्तरकाशी धराली गांव की भीषण त्रासदी 12 साल पहले केदारनाथ में हुई आपदा की पुनरावृत्ति के समान है। बादल का फटना और हिमनदीय तलछटी भूस्खलन भी है जिससे कीचड़, चट्टानें, हिमनदीय मलबा शामिल था जो विशाल मात्रा में गांव पहुंचा। वक्ताओं ने कहा ग्लोबल वार्मिंग से हिमालय क्षेत्र में तापमान बढ़ने के फलस्वरुप ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं जो तलछट को अस्थिर करते हैं।

इस घटना से क्षुब्ध सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का निष्कर्ष था की जलवायु परिवर्तन अनियोजित विकास,पारिस्थितिक असंतुलन और प्रशासनिक अक्षमताओं के कारण उत्तराखंड संकटग्रस्त राज्य के रूप मेंआकर ले रहा है जो भविष्य के लिए हानिकारक होगा। यहां की नदियां,वनस्पति, पहाड़ जो मानव जीवन के संतुलन के आधार थे वो ही अब विनाश का कारण बनकर पारिस्थितिक तंत्र को भी कुप्रभावित कर रहे। गोष्ठी का निष्कर्ष था की हमें पर्वतीय स्थिति के अनुकूल हरित विकास मॉडल को अपनाना होगा और सरकार इसमें पर्यावरणविदों को साथ लेकर एक साझा समावेशी पर्यावरणोमुख दृष्टिकोण अपनाते हुए फैसले लेकर ही भावी नीतियों का निर्धारण करे।

गोष्ठी की अध्यक्षता ब्रिगेडियर केजीबहल ने तथा संचालन नरेश चंद्र कुलाश्री ने किया। गोष्ठी का निष्कर्ष था की जिस प्रकार 1942 में 8 अगस्त के दिन अंग्रेजों के खिलाफ पूरा देश एकजुट हुआ था उसी तर्ज पर आपदाओं को रोकने के लिए हमे पर्यावरण बचाओ, हिमालय बचाओ आंदोलन का आगाज करना होगा।

गोष्ठी में शामिल सामाजिक संस्थाओं में संयुक्त नागरिक संगठन, स्पेक्स, उत्तरांचल उत्थान परिषद, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति, दून रेजिडेंट वेलफेयर फ्रंट, बलभद्र खलगां विकास समिति, पूर्व सैनिक संगठन, दून सिख वेलफेयर सोसाइटी, हिमालय पर्यावरण समिति, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच,हर्षल फाउंडेशन,सोशल जस्टिस फाऊंडेशन,धाद आदि संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इनमें महावीर सिंह बिष्ट, डा.ब्रजमोहन शर्मा, पूर्व मुख्य वन संरक्षण अधिकारी जयराज तथा डॉक्टर धनंजय मोहन, ब्रिगेडियर के जी बहल, गिरीश चंद्र भट्ट, कर्नल विक्रम सिंह थापा, मेजर एम एस रावत, जितेंद्र आडंडोना,एसपी दूबे,एसपी चौहान, मुकेश शर्मा, दिनेश भंडारी, प्रदीप कुकरेती, अवधेश शर्मा, आशालाल, डा. रमा गोयल, खुशवीर सिंह, कुलदीप सिंह रावत, जीएस जस्सल, हरीराज सिंह, जगदीश बावला, उमेश्वर सिंह रावत, राजेंद्र सिंह रावत आदि शामिल थे।

जिला प्राधिकृत समिति की बैठक सम्पन्न

8 औद्योगिक इकाइयों को मिली सैद्धांतिक स्वीकृति

हमारे संवाददाता

पौड़ी। 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार सुगमता) हेतु एकल खिड़की अधिनियम-2012 के तहत गठित जिला स्तरीय जिला प्राधिकृत समिति की बैठक जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना सम्बन्धी कुल 10 आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त हुए थे। स्क्रूटनी के उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा 8 आवेदनों को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गयी, जबकि शेष 2 आवेदनों में सम्बन्धित विभागीय अनापत्तियां शामिल कर आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने महाप्रबंधक उद्योग को निर्देश दिये कि औद्योगिक इकाइयों की श्रेणी के अनुसार अनिवार्य विभागीय अनापत्ति की चेकलिस्ट तैयार करें, ताकि आवेदनों का पारदर्शी एवं स्पष्ट अवलोकन किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिवमोहन शुक्ला, महाप्रबंधक उद्योग सोमनाथ गर्ग, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, प्रबंधक उद्योग राजेन्द्र प्रकाश आर्य आदि उपस्थित रहे।

थराली की पूर्व विधायक मुन्नी देवी शाह का निधन

संवाददाता

देहरादून। थराली की पूर्व विधायल मुन्नी देवी शाह का दून के एक अस्पताल में ईलाज के दौरान निधन हो गया।

आज यहां थराली की पूर्व विधायक और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुन्नी देवी शाह का निधन हो गया है। वह पिछले तीन महीनों से बीमार चल रही थी। पहले दिल्ली उसके बाद देहरादून अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। देहरादून के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। आज कर्णप्रयाग संगम तट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सैन्य प्रशिक्षिकों ने दिया एनसीसी कैडेट्स को प्रशिक्षण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में फोनिक्स विश्वविद्यालय, रुड़की में दिनांक 7 अगस्त से संचालित दस दिवसीय प्री थल सेना शिविर प्रथम के तीसरे दिन कैडेट्स को फायरिंग ऑब्सटेकल ट्रेनिंग का प्रशिक्षण सैन्य प्रशिक्षिको द्वारा दिया गया। इसके साथ ही ड्रिल, मैप रीडिंग, राइफल को खोलने एवं जोड़ने, फायरिंग के तरीके, हेल्थ एवं हाइजीन आदि की भी क्लासेस भी चलाई गई और कैडेट्स को इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह ने कैडेट्स को अनुशासन की महत्ता और उसके जीवन में होने वाले उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि

अनुशासित जीवन ही सफलता की कुंजी है। कैंप कमांडेंट द्वारा फायरिंग रेंज पर फायरिंग कर रहे कैडेट्स का निरीक्षण एवं मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कैंप कमांडेंट कैप्टन आलोक कण्डवाल, एकाउंट ऑफिसर संतोष कुमार भट्ट, कैम्प अदजुडेंट कैप्टन धर्म सिंह, कैंप क्वार्टर मास्टर सेकंड ऑफिसर पारस कुमार, सेकंड ऑफिसर आलोक भूषण, मीडिया प्रभारी थर्ड ऑफिसर अरुण कुमार, थर्ड ऑफिसर अनुज कुमार, सीटीओ शाहिना प्रवीन, सीटीओ उपासना, जसवंत सिंह, सूबेदार मेजर अमर सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार पंकज कुमार पाल, सूबेदार सुरेश चंद्र, सूबेदार सुनील सिंह, सूबेदार राजेश, ईएसएम कैप्टन विजेंद्र सिंह, बीएचएम केशवानंद, हवलदार पूरन सिंह, हवलदार दीपक, हवलदार भरत सिंह, हवलदार जगत सिंह, हवलदार राजेंद्र सिंह, हवलदार सुरजीत सिंह, हवलदार विनोद, हवलदार संदीप, ईएसम सतेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

ब्लू कलर को बनाएं अपने आई मेकअप का हिस्सा

समय के साथ फैशन में बहुत बदलाव देखने को मिले हैं और ऐसा ही कुछ दिखता हैं मेकअप में भी। जी हां, आज के समय में मेकअप करने का अंदाज बदला हैं और कई यूनिक लुक पसंद किए जाने लगे हैं। खासतौर से आई मेकअप के साथ नया ट्राई कर डिफरेंट लुक क्रिएट किया जाने लगा हैं। वर्तमान समय में आंखों को ब्लू कलर देने का चलन बढ़ता जा रहा हैं। अगर आप किसी पार्टी या फंक्शन में जाती हैं तो इस ब्लू कलर को आई मेकअप में शामिल कर खुद को आकर्षक और यूनिक बना सकती हैं। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आपको ब्लू कलर को आईमेकअप में शामिल करना हैं। आइये जानते हैं इसके बारे में...

आईशैडो : नीला यानि ब्लू आईशैडो ऐसा है जो इन दिनों खूब ट्रेंड में चल रहा है। अपनी आंखों को बोल्ड और ग्लैमरस लुक देने के लिए ज्यादातर महिलाएं ब्लू आईशैडो लगा रही हैं। इस आईशैडो के साथ आप सबका ध्यान अपनी ओर खींच सकती हैं। आईशैडो एक ऐसा मेकअप आईटम है जो कि आपकी आंखों की गहराई और खूबसूरती को निखारता है। ये आईब्रोज़ के नीचे और आई लिड के ऊपर लगाया जाता है। सबसे पहले आई क्रीम लगाए, फिर कंसीलर, अब आपको आंखों पर काजल लगाना है और अब आपका अगला स्टेप होगा मेटालिक ब्लू आईशैडो को आईलिड पर लगाना। आईशैडो ब्रश को मेटीरियल में डुबोएं और आईलिड पर आराम से लगाएं। इसके बाद हल्का सा ब्राउन आईशैडो लगाएं। इससे आंखों को परफेक्ट लुक मिलेगा।

ब्लैक विद ब्लू लाइनर : इन दिनों कलरफुल लाइनर का चलन काफी बढ़ गया है। आम लड़कियों से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटीज अक्सर कलरफुल लाइनर लगाती हैं। आप भी ब्लू कलर को आईलाइनर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपको सिर्फ ब्लू लाइनर लगाने में अजीब लग रहा है तो आप इसे ब्लैक लाइनर के साथ लगाएं। यह लुक किसी पार्टी के लिए एकदम अच्छा लगता है।

स्पार्कलिंग लुक : अगर आप कहीं पार्टी में जा रही हैं और ब्लू कलर को बेहद इंटरस्टिंग तरीके से आई मेकअप का हिस्सा बनाना चाहती हैं तो आप पहले अपनी आईलिड पर ब्लू कलर के आईशैडो लगाएं। इसके बाद आप इनर कार्नर पर गोल्डन स्पार्कलिंग आईशैडो अप्लाई करें। यह स्पार्कलिंग लुक आपकी आंखों को एकदम डिफरेंट दिखाएगा।

ग्लिटर ब्लू काजल : अगर आप अपनी आईज को शिमरी लुक देना चाहती हैं, लेकिन उससे एक लिटिल टच ही देना चाहती हैं तो आप ब्लू कलर को शिमरी काजल के रूप में लगा सकती हैं। इसके लिए आप पहले आंखों को न्यूड कलर से बेस दें। उसके बाद आप ब्लैक लाइनर लगाएं। आखिरी में आप ग्लिटर ब्लू काजल को लोअर लाइन या अपर लाइन पर अप्लाई करें। यह भी ब्लू कलर को आईमेकअप में शामिल करने का एक इंटरस्टिंग तरीका है।

ब्लू विद व्हाइट : ब्लू कलर को अगर आईलिड पर अलग तरह से लगाना है तो आप इसे दूसरे कलर्स के साथ लगाएं। आई मेकअप में ब्लू आईशैडो को व्हाइट कलर के साथ भी लगा सकती हैं। इसके लिए आप आउटर कार्नर पर ब्लू कलर तो इनर कार्नर पर व्हाइट कलर लगाएं। इसके बाद आप ब्लैक लाइनर व काजल लगा सकती हैं।

स्मोकी लुक : स्मोकी आईमेकअप करते समय डार्क कलर्स का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप नाइट पार्टी में जा रही हैं तो आप ब्लू कलर से भी स्मोकी आईज लुक क्रिएट कर सकती हैं। इसके लिए पहले आप बेस में ब्लैक व ब्राउन कलर अप्लाई करें। इसके बाद आप ब्लू कलर लगाएं। अगर आप अपने लुक को और भी ज्यादा इंटरस्टिंग बनाना चाहती हैं तो आप आई लिड पर ग्लिटर कलर लगाएं। इसके बाद आप ब्लैक लाइनर व काजल अप्लाई करें।

नवजात शिशु के लिए मां का दूध ही सबसे अच्छा

दादी-नानी के जमाने से यही कहा जाता रहा है कि नवजात शिशु के लिए मां का दूध ही सबसे अच्छा होता है। यही नहीं, स्टडीज के बाद यह बात साबित भी हो चुकी है कि मां के दूध में फैट, शुगर, पानी और प्रोटीन की सही क्वॉन्टिटी होती है, जो शिशु की अच्छी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। हाल ही में आई साइंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के जन्म के तुरंत बाद या कुछ ही घंटों के भीतर अगर बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करायी जाए तो 'शिशु मृत्यु दर' काफी कम हो सकती है। हालांकि रिपोर्ट में पता चला है कि जन्म के 1 घंटे के अंदर मात्र 44 फीसदी बच्चों को ही मां का पहला दूध मिल पाता है। ब्रेस्टफीडिंग एक नैचरल प्रोसेस है। बच्चा जैसे ही पैदा होता है, मां के ब्रेस्ट में दूध बनना शुरू हो जाता है और कई महीनों तक बच्चे का यही फूड होता है। हां, बच्चे को सही तरह से फीड करवाने के लिए जरूरी है कि मां को ब्रेस्टफीडिंग का सही तरीका पता हो। दरअसल, सही पॉजिशन को जानकर ही बच्चे को सही तरीके से फीडिंग करवाई जा सकती है।

दो से तीन घंटे में कराएं फीड

गाइनैकॉलजिस्ट डॉक्टर सुरभि मलिक कहती हैं, बच्चे को हर 2 से 3 घंटे पर दूध पिलाती रहें। अगर बच्चा दिनभर में 6 से 8 बार यूरिन कर रहा है, तो समझ लीजिए कि उसकी डायट सही है। हां, जब वह 4 से 6 महीने का हो जाए, तो उसे सॉलिड फूड देना शुरू कर दें।

दूध का बनना, डिमांड व सप्लाई पर निर्भर

अगर आप सोच रही हैं कि बच्चे के लिए आपके पास इतना दूध हो पाएगा या नहीं, तो हम आपको बता दें कि ब्रेस्ट मिल्क का प्रॉडक्शन बहुत हद तक उसकी डिमांड व सप्लाई पर निर्भर करता है। आप

बच्चे को जितना फीड करवाएंगी, उतना ही अधिक दूध बनेगा। एक स्टेज के बाद बच्चे का विकास तेजी से होता है, इसलिए जिस बच्चे को पहले 3 घंटे में दूध की जरूरत पड़ती है, बाद में उसे हर 1 घंटे में दूध चाहिए होता है। हां, ऐसे में जरूरी होता है कि आप अपनी डायट की क्वॉन्टिटी बढ़ाने के साथ उसमें न्यूट्रिशंस का भी ध्यान रखें।

बॉडी को लड़ने की पावर देता है

- बच्चे के बीमार होने पर मां का दूध उसकी बॉडी को लड़ने की पावर देता है। इससे बच्चे की इम्यूनिटी भी स्ट्रॉन्ग होती है, जो बड़े होने तक उसका साथ निभाती है।

- बच्चे के पैदा होने के बाद कोलोस्ट्रम जो मां का पहला दूध ब्रेस्ट में बनता है वही दूध बच्चे को डायरिया, चेस्ट इन्फेक्शन और दूसरे रोगों से बचाता है।

- नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ और ह्यूमन डिवेलपमेंट (एनआईसीएचडी) की हाल ही में आई रिसर्च के मुताबिक, मां के दूध में फैटी ऐसिड होता है, जो बच्चे के ब्रेन डिवेलपमेंट में मदद करता है।

मांओं के लिए ब्रेस्टफीडिंग के फायदे

चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. अजय कहते हैं, ब्रेस्टफीडिंग करवाने से महिला हार्ट प्रॉब्लम, डायबीटीज, ऑस्टियोपोरोसिस बीमारियों से बच सकती है। यही नहीं, यह ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को भी काफी हद तक कम कर देता है। डिप्रेशन को दूर करने में भी यह प्रोसेस बेहद कारगर है। बकौल अजय, फीडिंग करवाते समय महिलाओं की बॉडी से एक हॉर्मोन ऑक्सिटोसिन निकलता है, जिससे वे टेंशन फ्री रहती हैं और अच्छा फील करती है।

स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग

माना जाता है कि बच्चा पूरे जीवन भर पिता से ज्यादा मां के नजदीक इसलिए होता है, क्योंकि मां बच्चे को अपना दूध पिलाकर बड़ा करती है। यही चीज उनके बीच स्ट्रॉग बॉन्डिंग बनाती है। स्टडीज के बाद यह भी पता चला है कि अगर मां बच्चे को अपना दूध नहीं पिलाती, तो उनके बीच अपनापन का खासा भाव नहीं आ पाता।

सेहत ही नहीं स्किन के लिए भी बेहतरीन है अनार

एक अनार सभी को बेहतरीन कर सकता है, यह तो आप जानते ही होंगे। जी दरअसल अनार एक सुपर फ्रूट है जो कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, हालाँकि क्या आपको पता है कि अनार मुलायम, चमकदार और हेल्दी स्किन के लिए भी एक नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट का काम करता है। जी हाँ और आज हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं। जी अनार विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, जिसका इस्तेमाल स्किन पर करने से चेहरा हाइड्रेटेड रहता है। इसी के साथ अनार में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज मौजूद होती हैं, जिसे आप फेस पैक के रूप में आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। आज के समय में बाजार में कई फ्रूट मास्क उपलब्ध है हालाँकि बाजार के फेस पैक और शीट मास्क के बजाय घर पर बने फेस मास्क का इस्तेमाल काफी फायदेमंद है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं अनार का इस्तेमाल आप कैसे ग्लोइंग स्किन के लिए कर सकते हैं।

स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए अनार और शहद

स्किन को लंबे समय तक हाइड्रेटेड

रखने और मॉइश्चराइज करने के लिए अनार के दानों से एक स्मूद पेस्ट तैयार करके उसमें शहद मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें। उसके बाद इसको चेहरे पर लगभग 30 मिनट तक लगाए रखें और बाद में ताजे पानी से साफ कर लें।

पिंपल्स के लिए अनार और ग्रीन टी फेस पैक

पिंपल्स और मुहांसों से राहत चाहिए तो अनार के दानों को ग्राइंड करके उसमें दो चम्मच दही एक बड़ा चम्मच शहद और ग्रीन टी का एक छोटा पैकेट मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। उसके बाद इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर कम से कम 30 मिनट के लिए लगाए रखे और बाद में 5 से 10 मिनट मसाज करके ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें।

अनार और कोको पाउडर से बनाएं एंटीएजिंग फेस मास्क

अनार और कोको पाउडर का इस्तेमाल करने से स्किन टाइट और जवां रहती है। इस्तेमाल करने के लिए अनार के दानों का स्मूद पेस्ट बनाकर उसमें कोको पाउडर को पानी से मिक्स कर लें। उसके बाद इस फेस मास्क को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और सूखने के बाद ठंडे पानी से साफ करें।

घर पर बना सकते हैं सुगंधित मोमबत्तियां, जानें आसान तरीका

अक्सर मोमबत्तियों का उपयोग बिजली जाने पर या कमरे में रोशनी के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुगंधित मोमबत्तियां आपके घर के माहौल को साफ करने और तनाव को कम करने में मदद कर सकती हैं? अगर आप अपने घर को प्राकृतिक सुगंध से भरना चाहते हैं तो आप खुद घर पर कुछ ही मिनटों में ये मोमबत्तियां बना सकते हैं। आइए पांच तरह की सुगंधित मोमबत्तियां बनाने का तरीका जानते हैं।

लैवेंडर की सुगंध वाली मोमबत्ती

सामग्री- लैवेंडर के फूल, मोम, लैवेंडर का तेल और पतली लकड़ी की डंडी। मोमबत्ती बनाने का तरीका- सबसे पहले एक बर्तन में मोम को पिघलाएं और उसमें लैवेंडर का तेल मिलाएं। अब एक खाली कांच के जार में लैवेंडर के फूल डालें, फिर पिघला हुआ मोम इसमें डालें। इसके बाद लकड़ी की डंडी का इस्तेमाल करते हुए मोम को जमने दें। 5 से 10 मिनट के बाद आपकी लैवेंडर सुगंध वाली मोमबत्ती तैयार हो जाएगी।

वनीला की सुगंध वाली मोमबत्ती

सामग्री- वनीला का अर्क, मोम और पतली लकड़ी की डंडी। मोमबत्ती बनाने का तरीका- सबसे पहले एक बर्तन में मोम को पिघलाएं और उसमें वनीला का अर्क मिलाएं। अब एक खाली कांच के जार में वनीला का अर्क डालें, फिर पिघला हुआ मोम इसमें डालें। इसके बाद लकड़ी की डंडी का इस्तेमाल करते हुए मोम को जमने दें। 5 से 10 मिनट के बाद आपकी वनीला सुगंध वाली मोमबत्ती तैयार हो जाएगी।

नींबू की सुगंध वाली मोमबत्ती

सामग्री- नींबू के छिलके, मोम, नींबू का रस और पतली लकड़ी की डंडी। मोमबत्ती बनाने का तरीका- सबसे पहले एक बर्तन में मोम को पिघलाएं और उसमें नींबू का रस मिलाएं। अब एक खाली कांच के जार में नींबू का रस डालें, फिर पिघला हुआ मोम इसमें डालें। इसके बाद लकड़ी की डंडी का इस्तेमाल करते हुए मोम को जमने दें। 5 से 10 मिनट के बाद आपकी नींबू की सुगंध वाली मोमबत्ती तैयार हो जाएगी।

गुलाब की सुगंध वाली मोमबत्ती

सामग्री- गुलाब के फूल, मोम, गुलाब का तेल और पतली लकड़ी की डंडी। मोमबत्ती बनाने का तरीका- सबसे पहले एक बर्तन में मोम को पिघलाएं और उसमें गुलाब का तेल मिलाएं। अब एक खाली कांच के जार में गुलाब के फूल डालें, फिर पिघला हुआ मोम इसमें डालें। इसके बाद लकड़ी की डंडी का इस्तेमाल करते हुए मोम को जमने दें। 5 से 10 मिनट के बाद आपकी गुलाब की सुगंध वाली मोमबत्ती तैयार हो जाएगी।

नारियल की सुगंध वाली मोमबत्ती

सामग्री- मोम, नारियल का तेल और पतली लकड़ी की डंडी। मोमबत्ती बनाने का तरीका- सबसे पहले एक बर्तन में मोम को पिघलाएं और उसमें नारियल का तेल मिलाएं। अब एक खाली कांच के जार में नारियल का तेल डालें, फिर पिघला हुआ मोम इसमें डालें। इसके बाद लकड़ी की डंडी का इस्तेमाल करते हुए मोम को जमने दें। 5 से 10 मिनट के बाद आपकी नारियल की सुगंध वाली मोमबत्ती तैयार हो जाएगी। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

परफ्यूम लगाते समय न करें ये गलतियां

परफ्यूम सिर्फ एक खुशबू नहीं, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व को भी दर्शाता है। सही तरीके से परफ्यूम लगाना बहुत जरूरी है ताकि आप दिनभर तरोताजा महसूस करें और आपकी खुशबू भी बरकरार रहे। हालांकि, कई लोग परफ्यूम लगाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिनसे उन्हें सही फायदा नहीं मिल पाता है। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जानेंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आप परफ्यूम का सही इस्तेमाल कर सकें।

परफ्यूम को सीधे धूप में रखना

कई लोग अपने परफ्यूम को सीधे धूप में रखते हैं, जिससे उसकी गुणवत्ता खराब हो सकती है। धूप और गर्मी से परफ्यूम के तत्व बिगड़ जाते हैं और उसकी खुशबू बदल जाती है। इसलिए इसे हमेशा ठंडी, सूखी और अंधेरी जगह पर रखें। इससे आपका परफ्यूम लंबे समय तक सही बना रहेगा और उसकी खुशबू भी बरकरार रहेगी, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे।

कपड़ों पर परफ्यूम छिड़कना

कपड़ों पर परफ्यूम छिड़कना एक आम गलती है, जिसे कई लोग करते हैं। कपड़ों पर परफ्यूम छिड़कने से वह जल्दी ही धूल-मिट्टी और अन्य तत्वों से गंदे हो जाते हैं और उनकी खुशबू भी खराब हो जाती है। इसके अलावा कपड़ों पर परफ्यूम के दाग भी पड़ सकते हैं। इसलिए हमेशा परफ्यूम को सीधे अपनी त्वचा पर ही लगाएं ताकि उसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहे और आपको किसी तरह की परेशानी न हो।

ज्यादा परफ्यूम लगाना

ज्यादा परफ्यूम लगाना भी एक बड़ी गलती हो सकती है। कई लोग सोचते हैं कि ज्यादा परफ्यूम लगाने से उनकी खुशबू ज्यादा देर तक रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं होता। ज्यादा परफ्यूम लगाने से कभी-कभी सिरदर्द या एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए हमेशा जरूरत भर ही परफ्यूम लगाएं ताकि आपको किसी तरह की परेशानी न हो और आपकी खुशबू भी बनी रहे। सही मात्रा में परफ्यूम लगाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे।

छिड़काव करते समय दूरी का ध्यान न रखना

परफ्यूम छिड़कते समय दूरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत करीब से परफ्यूम छिड़कते हैं तो यह आपकी त्वचा में समा जाता है और उसकी खुशबू जल्दी खत्म हो जाती है। इसलिए हमेशा थोड़ी दूरी बनाकर परफ्यूम छिड़के ताकि उसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहे। इसके लिए लगभग 6-8 इंच की दूरी बनाकर परफ्यूम छिड़कना सबसे अच्छा तरीका होता है। इससे आपकी त्वचा और कपड़े दोनों ही महकेंगे।

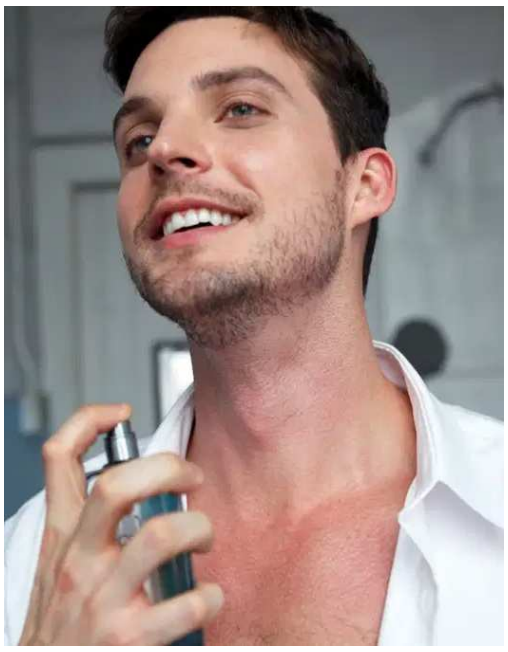

सही जगह पर परफ्यूम न लगाना

परफ्यूम लगाने की सही जगह भी जरूरी होती है। अक्सर लोग इसे कलाई या गर्दन जैसी जगहों पर तो लगाते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कुछ खास जगहें होती हैं जहां परफ्यूम लगाने से उसकी खुशबू ज्यादा देर तक रहती है जैसे कि कानों के पीछे, पीठ के निचले हिस्से पर आदि। इन जगहों पर परफ्यूम लगाने से आपको पूरे दिन तरोताजा महसूस होगा और आपकी खुशबू भी बरकरार रहेगी। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -41

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

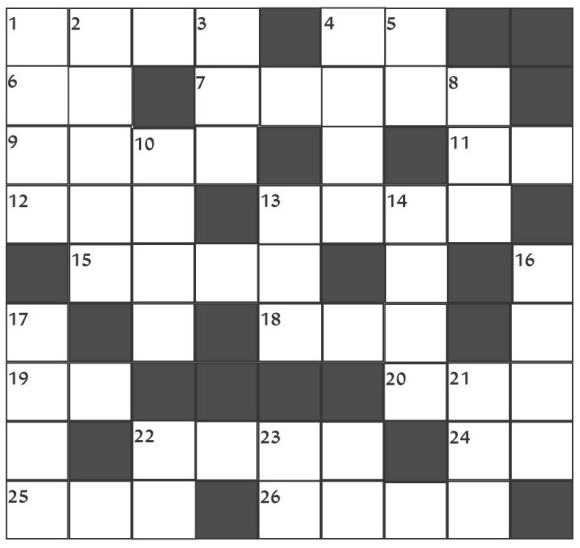

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 40 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

गजनी के डायरेक्टर संग धमाल करेंगे शिवकार्तिकेयन

दिल मद्रासी साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है, जो अपनी घोषणा के बाद से ही जबरदस्त चर्चा में है। हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर में पहली बार सुपरस्टार शिवकार्तिकेयन और हिट फिल्ममेकर ए।आर। मुरुगदॉस साथ आ रहे हैं। अमरन की सफलता के बाद शिवकार्तिकेयन अब मुरुगदॉस के साथ जुड़ रहे हैं, जो ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। पोस्टर और टीजर के रिलीज के साथ ही फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन, दमदार कहानी और बड़े-बड़े सीन देखने को मिलेंगे। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज़ का समय पास आ रहा है, मेकर्स ने सोशल मीडिया पर बताया है कि अब काउंटडाउन शुरू हो गया है। हाल ही में सामने आए दिल मद्रासी के टाइटल टीज़र ने ही फैंस को जबरदस्त जोश से भर दिया है। इससे उन्हें फिल्म के बड़े लेवल के मज़ेदार नज़ारे की झलक मिल गई है। शिवकार्तिकेयन इस बार एक दमदार और एक्शन भरे अंदाज़ में दिखेंगे, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म की शूटिंग की ज़िम्मेदारी सिनेमैटोग्राफर सुदीप एलेमोन के हाथ में है, वहीं इसका ज़बरदस्त म्यूज़िक बनाएंगे अनिरुद्ध रविचंदर, जो व्हाय दिस कोलावरी दी, बीस्ट, विक्रम, जवान, लियो जैसे हिट गानों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं मशहूर ए।आर। मुरुगदॉस, जो गजनी और हॉलीडे जैसी हिट फिल्मों में एक्शन और सामाजिक मुद्दों का बेहतरीन मेल दिखा चुके हैं। दिल मद्रासी एक शानदार एंटरटेनर बनने जा रही है। ए।आर। मुरुगदॉस के निर्देशन में बन रही दिल मद्रासी' को श्री लक्ष्मी मूवीज़ प्रोड्यूस कर रही है। फिल्म में रुक्मिणी वसंथ के साथ दमदार एक्टर्स विद्युत जामवाल, बीजू मेनन, शबीर और विक्रांत नजर आएंगे। एडिटिंग की जिम्मेदारी श्रीकर प्रसाद ने संभाली है, जबकि एक्शन सीन को केविन और धिलीप मास्टर्स ने कोरियोग्राफ किया है। दिल मधरासी 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। (आरएनएस)

वॉर 2 के ट्रेलर में सेना की वर्दी पहने दिखीं कियारा आडवाणी

ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसमें उनकी जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ बनी है, वहीं जूनियर एनटीआर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। वॉर 2 का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें ऋतिक और एनटीआर का धांसू अवतार दिख रहा है। उधर ट्रेलर के एक दृश्य में कियारा सेना की वर्दी पहने नजर आ रही हैं। इसी के साथ उनके किरदार से पर्दा उठ गया है। जहां एक ओर कियारा फिल्म में ऋतिक के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी, वहीं दूसरी तरफ उनके एक्शन करने का भी मौका मिला है। कियारा वॉर 2 में काव्या लूथरा की भूमिका निभा रही हैं, जो रॉ की संयुक्त सचिव और कर्नल सुनील लूथरा की बेटी हैं। फिल्म में सुनील लूथरा का किरदार आशुतोष राणा निभा रहे हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म वॉर 2 को 14 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यशराज फिल्म्स ने दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देने के लिए डॉल्बी लैबोरेटरीज से हाथ मिलाया है। वॉर 2 दुनियाभर के कई देशों में डॉल्बी सिनेमा स्क्रीन पर रिलीज होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म होगी। इसके अलावा इस फिल्म को हिंदी और तेलुगू भाषा में उत्तरी अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत और दुनियाभर के कई अन्य बाजारों में डॉल्बी सिनेमा साइटों पर रिलीज करने की योजना भी बनाई गई है। वॉर 2 के निर्देशक अयान मुखर्जी हैं। इस फिल्म के जरिए एनटीआर बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म होगी। ऐसे में फिल्म को लेकर उत्साहित साउथ के दर्शक भी खूब हैं।

मिराई:तेज सज्जा और रितिका नायक के बीच दिखी जबरदस्त केमिस्ट्री

निर्देशक कार्तिक गट्टामनेनी की बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म मिराई का पहला गाना वाइब उंडी रिलीज कर दिया गया है। गाने में मुख्य जोड़ी के बीच केमिस्ट्री देख प्रशंसक फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हो गए हैं। फिल्म मिराई के मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गाने का वीडियो शेयर कर लिखा, अब जोश से नाचने के लिए तैयार हो जाएं, क्योंकि मिराई का पहला गाना वाइब उंदी रिलीज हो गया है। मिराई अब 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वाइब उंदी एक टेक्नो-बीट गाना है, जिसमें मुख्य जोड़ी तेज सज्जा और रितिका नायक के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आ रही है। हाई-एनर्जी सॉन्ग को प्रसिद्ध गायक अरमान मलिक ने गाया है और इसकी धुन गावरा हरि ने बनाई और बोल कृष्णकांत ने लिखे हैं। ब्लॉकबस्टर फिल्म हनुमान से अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाले अभिनेता तेजा सज्जा अब फिल्म मिराई में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह एक हाई ऑक्टेन फिल्म है, जिसका निर्माण प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस पीपल मीडिया फैक्ट्री कर रहा है। वहीं इसका निर्देशन कार्तिक गट्टामनेनी कर रहे हैं। फिल्म को टी।जी।विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में मनोज मांचू खलनायक की भूमिका अदा करते नजर आएंगे। साथ ही इसमें श्रेया सरन, जयराम और जगपति बाबू जैसे बड़े कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखेंगे। निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी न केवल इस फिल्म के डायरेक्टर हैं, बल्कि वह इसके सिनेमेटोग्राफर भी हैं। फिल्म की पटकथा निर्देशक ने खुद लिखी है। (आरएनएस)

अहान पांडे का नाम श्रुति चौहान से जुड़ा

अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने फिल्म सैयारा के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। सैयारा की सफलता के बीच अब अहान अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उनका नाम श्रुति चौहान संग जुड़ रहा है।

श्रुतिने सैयारा की समीक्षा करते हुए लिखा था, सिनेमा में मोहित सूरी का जादू फिर से देखने को मिल रहा है और इससे बढ़कर कुछ नहीं हो सकता। अनीत पड्डा आप वाकई शानदार हैं। पूरी टीम को बधाई। उधर श्रुतिति ने अहान के लिए भावुक कर देने वाला नोट साझा किया। उन्होंने लिखा, उस लड़के के लिए जिसने जिंदगी भर यही सपना देखा, उस लड़के के लिए जिसने उस वक्त इस पर विश्वास किया जब किसी और ने नहीं किया।

श्रुतिने अहान की तारीफ करते हुए आगे लिखा, उस लड़के के लिए जिसने इस पल के लिए सब कुछ दे दिया। उस लड़के के लिए जो किसी से भी ज्यादा इसका हकदार है! यह मंच तुम्हारा है अहान। मैं तुमसे प्यार करती हूं। मुझे तुम पर गर्व है, मैं रो रही हूं, चीख रही हूं और मैं बस यही कामना और प्रार्थना कर रही हूं कि तुम्हारे लिए और भी बहुत कुछ आए।

श्रुति पेशे से एक अभिनेत्री और मॉडल हैं। वह राजस्थान के जयपुर की रहने वाली हैं। श्रुति 27 साल की हैं। अभिनेत्री ने अपनी शुरुआती पढ़ाई भी जयपुर से ही पूरी की है। उन्होंने ज्योति विद्यापीठ कॉलेज से आर्ट्स में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। वह जोया अख्तर की फिल्म गली बॉय में नजर आ चुकी हैं। इसमें उन्होंने माया का किरदार निभाया था।

श्रुति सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 2.2 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। बता दें कि हाल ही में श्रुति को गायक जुबिन नौटियाल के साथ म्यूजिक वीडियो हद से में देखा गया था।

अंजलि अरोड़ा ने गोवा में समंदर किनारे दिखाई बोल्ड अदाएं

एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा हाल ही में म्यूजिक वीडियो दिल पे चलाई छुरियां में नजर आई थीं। इस म्यूजिक वीडियो में उनके साथ सोशल मीडिया सेंसेशन राजू कलाकार और कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नजर आए थे। अंजलि अरोड़ा का ये म्यूजिक वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। इसी बीच उन्होंने गोवा में समंदर किनारे जमकर एंजॉय किया है और फोटोशूट करवाया है। फोटोशूट के दौरान अंजलि अरोड़ा का सिजलिंग अंदाज देखने को मिला है। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है और उन पर फैंस फिदा हो रहे हैं।

अंजलि अरोड़ा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काफी एक्टिव रहती हैं। अंजलि अरोड़ा आए दिन अपने से जुड़े फोटोज और वीडियोज तमाम चाहने वाले फैंस को दिखाती रहती हैं।

अंजलि अरोड़ा ने अब गोवा में समंदर किनारे अपना बोल्ड अंदाज दिखाकर फैंस को मदहोश कर दिया है। अंजलि अरोड़ा की एक-एक तस्वीर फैंस का ध्यान खींच रही है।

अंजलि अरोड़ा ऑफ शोल्डर टॉप और डेनिम शॉर्ट्स पहन रखा था। इस तरह से अंजलि अरोड़ा ने एक बार फिर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का मौका नही छोड़ा।

अंजलि अरोड़ा के खुले बाल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। अंजलि अरोड़ा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उन पर लोग कमेंट कर रहे हैं।

अंजलि अरोड़ा ने कैप्शन लिखा है, तुम हो तो सब अच्छा है। अंजलि अरोड़ा को लेकर एक यूजर ने लिखा है, तुम भी एक मूवी बना लो, एक यूजर ने लिखा है, क्या अदाएं हैं?

अंजलि अरोड़ा के लिए ये पहला मौका नहीं जब उन्होंने अपना ग्लैमरस अवतार दिखाया है। अंजलि अरोड़ा को कई बार हद से ज्यादा बोल्डनेस दिखाने पर ट्रोल भी किया जाता है।

अंजलि अरोड़ा म्यूजिक वीडियो कच्चा बादाम से काफी ज्यादा पॉपुलर हो गई थीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में अंजलि अरोड़ा नजर आ चुकी है। (आरएनएस)

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी

प्रह्लाद सबनानी

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है क्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है।

विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अत- इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में %स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है।

अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। %जेफरीज' के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है।

एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है।

वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह पण्रकरे कि प्रतिवर्ष कम-से-कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण के लिए प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दोगुना किया जा सकता है।

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है क्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अत- इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में %स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। %जेफरीज' के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है।

एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है।

सू- दोकू क्र.41

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.40 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

रिश्ता तोड़ने आमादा दंपति

सुप्रीम कोर्ट ने ताजा फैसले में कहा है कि पति-पत्नी का एक-दूसरे पर नजर रखना इसका सबूत है कि उनकी शादी मजबूत नहीं चल रही है। इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है।

पीठ ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। जिसमें कहा है, दंपति के दरम्यान गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है, इसका प्रयोग न्यायिक कार्रवाई में नहीं किया जा सकता।

पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखते हुए कहा, वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत को संज्ञान लिया जा सकता है। यह मामला बठिंडा की कुटुंब अदालत के फैसले पर आधारित है, जिसमें पति को फोन कॉल वाली सीडी का सहारा लेने की अनुमति दी गई थी।

पत्नी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसका तर्क था कि यह रिकॉर्डिंग उसकी सहमति या जानकारी के बगैर थी, जो निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अदालत द्वारा इसे कानूनी रूप से अनुचित भी ठहराया गया। मगर सबसे बड़ी अदालत ने माना कि जब विवाह ऐसे स्तर पा पहुंच गया है, जहां दंपति एक-दूसरे की सक्रियता पर नजर रख रहे हों। यह अपने-आपमें रिश्ता तोड़ने का लक्षण है।

हालांकि पीठ ने स्वीकारा कि इस तरह के साक्ष्यों को अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक संबंध खतरे में पड़ सकता है। देश में तलाक बेहद जटिल प्रक्रिया है। न्यायिक झंझटों, आरोपों-प्रत्यारोपो, साक्ष्यों सरीखी दिक्कतों के चलते कई दफा दंपति आपसी सहमति से अलग तो जाते हैं मगर तलाक नहीं लेते। हालांकि सच तो यह भी है कि अभी भी अपने समाज में न्यूनतम संबंध विच्छेद होते हैं। जो धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं।

अंतिम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में केवल चौदह लाख लोग तलाकशुदा है। यहां बुरी से बुरी शादी भी सामाजिक/पारिवारिक दबाव में चलाई जाती रहती है। बेहद नाजुक संबंध होने के बावजूद विवाह परिवार का मुख्य केंद्र है। मगर वैवाहिक जीवन में दरारें, मन-मुटाव, संदेह, छल या विवाहेतर संबंधों की अनदेखी कई बार मुश्किल हो जाती है।

तलाक के निमयों को काफी आसान बनाए जाने के बावजूद अड़चने कम नहीं की जा सकीं हैं। रिश्ता तोड़ने को आमादा दंपति को बेशक एक मौका देना चाहिए। मगर यदि वे साथ रहने को ही राजी नहीं तो किसी भी अदालत, समाज या परिवार को उन्हें जबरन एक-दूसरे पर थोपने को बाध्य नहीं करना चाहिए।(आरएनएस)

मुख्यमंत्री का जनप्रतिनिधियों व जनता ने स्वागत किया

संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का अपने आवास में जनप्रतिनिधियों व जनता ने स्वागत किया।

आज यहां मुख्यमंत्री ने अपने आवास व लोहियाहेड कैम्प कार्यालय में जनता से मुलाकात की व उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने हेलीपेड लोहियाहेड से देहरादून के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका खटीमा रमेश चंद्र जोशी, मेयर दीपक बाली, दर्जा मंत्री अनिल कपूर, शंकर कोरंगा, जिलाध्यक्ष नैनीताल प्रताप बिष्ट, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रणजीत सिंह, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, एसपी सिटी डॉ. उत्तम सिंह नेगी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कस्तूभ मिश्रा, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि,जनता उपस्थित थे।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देहरा खास निवासी अमित कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से गुरू रामराय मेडिकल कॉलेज गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल कॉलेज के पास स्थित गली में खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। सुभाष नगर निवासी दीपक बालियान ने अपने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा क्लेमनटाउन थाने में दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गुरुद्वारे से दानपात्र चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने गुरूद्वारे से हजारों रूपये से भरा दानपात्र चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूद्वारा साहिब दशमेश दरबार फतेहपुर टांडा माजरी ग्रांट जीवनवाला लालतप्पड के प्रबन्धक साहब सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह आज सुबह जब गुरूद्वारे में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि गुरूद्वारे से दानपात्र गायब था। जिसमें 10 से 12 हजार रूपये की नगदी थी।

प्रभावितों को मिली त्वरित राहत, नुकसान का आंकलन जारीःआर्य

संवाददाता

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि घर, जमीन, खेत-खलिहान, कृषि और अन्य नुकसान का विस्तृत आंकलन भी शुरू कर दिया गया है।

आज यहां सीएम धामी के आदेशों पर हाल ही में धराली गांव में आई आपदा के बाद प्रशासन ने राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी ला दी है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि प्रभावित परिवारों को एसडीआरएफ मानकों के अनुसार तत्काल सहायता राशि प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि घर, जमीन, खेत-खलिहान, कृषि और अन्य नुकसान का विस्तृत आकलन भी शुरू कर दिया गया है। यह प्रक्रिया अगले दो से तीन दिनों में पूरी कर ली जाएगी, जिसके बाद शेष मुआवजा वितरित किया जाएगा। प्रभावित ग्रामीणों के लिए कम्युनिटी किचन के माध्यम से भोजन और राशन की आपूर्ति की जा रही है, साथ ही आपातकालीन लाइट, कपड़े और अन्य जरूरी सामग्री भी पहुंचाई जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि गांव में बिजली और नेटवर्क सेवा बहाल हो चुकी है, जिससे लापता लोगों से संपर्क स्थापित हो रहा है और उनकी संख्या में कमी आ रही है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचाने के लिए पूरी क्षमता और संसाधनों के साथ कार्य जारी रहेगा।

अभिभावकों को भ्रमित कर ठगी का प्रयास करने वाले तीन साइबर ठग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। अभिभावकों को भ्रमित कर ठगी का प्रयास करने वाले तीन साइबर ठगों को एसटीएफ ने बरेली से गिरफ्तार किया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, नवनीत सिंह द्वारा जानकारी देते हुये बताया कि एक प्रकरण दून इंटरनेशनल स्कूल सिटी कैंपस, देहरादून, द्वारा माह जुलाई 2025 में दर्ज कराया गया जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा बताया कि उनके विद्यालय के छात्र-संबंधित ऐप में गंभीर साइबर बुलीइंग/हैकिंग हुई व विद्यार्थियों को भ्रामक संदेश भेजे जाने लगे। विद्यालय का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'स्कूल पेड' है जिसका उपयोग विद्यार्थी और अभिभावक प्रतिदिन स्कूल अपडेट देखने, समय सारिणी जानने तथा विद्यालय शुल्क जमा करने आदि के लिए करते हैं। शिकायतकर्ता द्वारा बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने बिना अनुमति प्रवेश किया व विद्यार्थियों के नाम, संपर्क विवरण और लॉगिन डेटा जैसी जानकारी लीक किया व हैकर उनके विद्यालय की तीनों शाखाओं डीआईएस सिटी कैंपस, डीआईएस रिवरसाइड और डीआईएस मोहाली के छात्र डेटा तक पहुँच बना ली और उन्होंने स्कूल पेड प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों और अभिभावकों को एक फर्जी संदेश भेजा, जिसमें 4990 रूपये की राशि एआई सक्षम रोबोटिक्स लैब के लिए जमा करने को कहा गया और यह संदेश अधिकारिक प्रतीत भी हो रहा था। अभिभावकों को धोखे से निजी जानकारी देने या शुल्क गलत खाते में जमा करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। प्रकरण की गम्भीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ उत्तराखण्ड के दिशा निर्देशन में मामले का प्रवेक्षण अपर पुलिस अधीक्षक स्वप्न किशोर, पुलिस उपाधीक्षक, अंकुश मिश्रा एवं विवेचना निरीक्षक विकास भारद्वाज साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन, देहरादून के सुपुर्द कर अभियोग के शीघ्र अनावरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त विद्यालय का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म स्कूल पेड, बैंक खातों/ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों / व्हाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित सर्विस प्रदाता ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा कम्पनी से पत्राचाकर कर डेटा प्राप्त किया गया।

प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मे आया कि साईबर अपराधियो द्वारा घटना में विद्यालय का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म स्कूल पेड द्वारा विद्यालय शुल्क प्रणाली से पीड़ित से लाभ कमाने के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में धनराशि स्थानान्तरित करवायी गयी। जांच के दौरान साईबर थाना पुलिस टीम द्वारा मुकदमें में प्रकाश में आए विद्यालय का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ,बैंक खातों तथा मोबाइल नम्बरों का सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी / डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर घटना के बैक के लाभार्थी खाताधारक मोहम्मद रिजवान पुत्र बालम खघन निवासी ग्राम मुल्लापुर पोस्ट रिठौरा जिला बरेली उत्तर प्रदेश, सुदामा दिवाकर पुत्र ओम प्रकाश निवासी आकाश पुरम आरके यूनिवर्सिटी, बरेली,नजदीक बब्बू स्किराना स्टोर टोर और मोहम्मद फराज पुत्र सरताज निवासी बनखाना गुलाबनगर बरेली उत्तरप्रदेश को चिन्हित करते हुये आरोपियों की तलाश जारी की। साईबर टीम द्वारा बीएनएसएस के अन्तर्गत प्रकाश में आये मोहम्मद रिजवान पुत्र बालम खघन , सुदामा दिवाकर पुत्र ओम प्रकाश व मोहम्मद फराज पुत्र सरताज की तलाश बरेली उप्र जाकर की गयी व अग्रिम जांच कार्यवाही बीएनएसएस के अन्तर्गत की गई।

प्रारम्भिक पूछताछ में उन्होंने साईबर अपराध हेतु जिस बैंक खातों का प्रयोग किया गया है उसमें मात्र कुछ माह में ही करोडो रूपयों का लेन-देन होना प्रकाश में आया है। जाँच में यह भी प्रकाश में आया है कि आरोपियों के विरुद्ध देश के कई राज्यों में साईबर अपराधों में एफआईआर व अन्य शिकायतें दर्ज हैं। जिसके सम्बन्ध में जानकारी हेतु अन्य राज्यों की पुलिस के साथ संपर्क किया जा रहा है।

मलबे में जिंदगी की तलाश नामुमकिन

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। धराली आपदा को आज 5 दिन हो चुके हैं। अभी तक आपदा स्थल तक सड़क मार्ग से पहुंच पाने का रास्ता साफ नहीं हो सका है। अभी 2 दिन लगेंगे या चार दिन कुछ नहीं कहा जा सकता है।

हेली उड़ानों से पर्यटकों का रेस्क्यू जारी है तथा खाद्य व जरूरी सामान की आपूर्ति की जा रही है। यह सहायता भी मौसम की मेहरबानी पर निर्भर है, सवाल यह है कि सैलाब में जो लोग 30-40 फीट मलवे में जिंदा दफन हो गए उनका अब क्या कोई अता-पता मिल सकेगा? कितने लोग बह गए कितने लोग मलबे में दबे हैं कितने घर मकान दुकान बर्बाद हो गए कितने लोग जिंदा है कहां है अभी इसका कोई ठोस आंकड़ा नहीं मिला है।

धराली में जो बाहर के लोग काम करते थे उनके परिजन और धराली में बसे परिवारों के वह लोग जो बाहर काम कर रहे थे आपदा की खबर के बाद धराली की तरफ दौड़े तो सही लेकिन 5 दिन बाद भी धराली तक नहीं पहुंच सके हैं और अभी तक उन्हें

❑लापता लोगों के परिजनों में भारी बेचैनी ❑राहत और बचाव से संतुष्ट नहीं स्थानीय लोग

अपने परिजनों की कोई खैर खबर नहीं मिल पा रही है ऐसे लोगों की बेचैनी और दर्द को समझा जा सकता है। आपदा प्रभावितों के लिए पर्याप्त राहत सामग्री भी नहीं पहुंच पा रही है जिनका सब कुछ इस आपदा में खत्म हो गया तथा घर के कुछ ही सदस्य इधर-उधर होने के कारण बचे हैं वह क्या करें और कहां जाएं यह सवाल ऐसा है कि जिसका वह कोई उत्तर नहीं ढूंढ़ पा रहे हैं।

आपदा प्रभावितों के लिए जो रेस्क्यू चलाया जा रहा है वह गंगोत्री क्षेत्र में फंसे तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित बाहर लाने व उनके घर भेजने तक ही सीमित है जिनकी संख्या अब 980 के आस-पास बताई जा रही है। कहां जा रहा है कि सड़क मार्ग सुचारू हो जाता तो अब तक यह रेस्क्यू अभियान पूरा कर लिया गया होता। इसका सीधा अर्थ है कि अब मलबे में लापता लोगों की खोज का काम नहीं किया जा सकता। वैसे भी मलबे के अंदर दबी कोई जिंदगी कितने दिन जिंदा रह सकती है। आपदा भले ही धराली में आई हो लेकिन अब तक रेस्क्यू का अभियान हर्षिल और गंगनानी या फिर गंगोत्री तक ही सीमित होकर रह गया है।

राजपुर में गोली चली, युवक घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजपुर क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट के बाहर दो पक्षों में हुए विवाद के चलते गोलीकांड की घटना को अंजाम दिया गया। यहां गोली लगने से एक युवक घायल हुआ है। जबकि हमलावर फरार होने में कामयाब रहा जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती देर रात कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना राजपुर पुलिस को सूचना मिली कि मसूरी डाइवर्जन से आगे राजपुर की ओर एक रेस्टोरेंट के बाहर किसी व्यक्ति द्वारा गोली चलायी गयी है। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर गोली लगने से एक युवक घायल हो गया था, जिसे एम्बुलेंस के माध्यम से मैक्स अस्पताल भिजवाया गया। घायल युवक की पहचान संभव गुरुंग पुत्र शिवराज गुरुंग निवासी अनार वाला देहरादून के रूप में हुई, मौके पर फील्ड यूनिट की टीम को बुलाकर घटना स्थल की वीडियोग्राफी की गई। घटना के संबंध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि घायल युवक अपने साथियों के साथ खाना खाने रेस्ट्रोरेंट में गया था, जहाँ रेस्ट्रोरेंट में किसी बात को लेकर 2 युवकों व 1 युवती से उनका विवाद हो गया था। उक्त विवाद के चलते दोनो पक्षो की देर रात रेस्ट्रोरेंट के बाहर भी आपस मे बहस हो गयी तथा घायल युवक के 10-12 साथियों के मौके पर इक्कट्ठा होने पर दूसरे पक्ष के एक युवक द्वारा डराने के नियत से हवा में फायर किया गया, जिसमे एक गोली संभव गुरुंग को लग गई। मामले में घायल युवक संभव गुरुंग के परिजनों द्वारा थाना राजपुर पर दी गयी तहरीर के आधार पर थाना राजपुर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार घटना में गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान कर ली गई है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु टीमों को संभावित स्थानों को रवाना किया गया है।

पीएनबी ने राहत कार्यों के लिए 1 करोड रुपये का योगदान किया

देहरादून (सं)। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा उत्तरकाशी में आयी आपदा के राहत कार्यो के लिए मुख्यमंत्री को एक करोड रूपये की राहत राशि का योगदान किया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में पंजाब नेशनल बैंक से आए प्रतिनिधि मंडल ने भेंट की। इस दौरान पंजाब नेशनल बैंक द्वारा उत्तरकाशी जिले के धराली एवं हर्षिल क्षेत्र में आई आपदा के राहत कार्यों के लिए एक करोड रूपये का योगदान प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने पीएनबी द्वारा दिए सहयोग के लिए बैंक प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा यह राशि आपदा प्रभावित परिवारों के त्वरित सहायता और पुनर्वास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने कहा संकट की घड़ी में संस्थाओं एवं संगठनों का इस प्रकार आगे आना समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि धराली क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से जारी है और प्रभावितों को हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है। इस अवसर पर अपर सचिव मनमोहन मेंनाली, पंजाब नेशनल बैंक के जी.एम अनुपम, ए.जी.एम अजित कुमार उपाध्याय, चीफ मैनेजर सर्वेश मौजूद रहे।

आपदा प्रभावित लोगों को त्वरित राहत उपलब्ध कराई गई है: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि धराली क्षेत्र में आपदा प्रभावित लोगों को त्वरित राहत उपलब्ध कराई गई है। प्रभावित परिवारों को राशन, कपड़े एवं आवश्यक सामग्री प्रदान की गई है। मकान, जमीन, खेती और अन्य नुकसान के मुआवजे का आकलन प्रारंभ हो चुका है और अगले दो से तीन दिनों में मुआवजे का वितरण भी शुरू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता घाटी में फंसे हुए सभी लोगों को सुरक्षित निकालना थी, जिसे लगभग पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही घर, खेत-खलिहान, कृषि और अन्य नुकसान का विस्तृत सर्वे जारी है, ताकि शेष मुआवजा शीघ्र उपलब्ध कराया जा सके। प्रभावित परिवारों के लिए कम्युनिटी किचन के माध्यम से भोजन, राशन, आपातकालीन लाइट, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री लगातार पहुंचाई जा रही है। गांव में बिजली एवं नेटवर्क की व्यवस्था बहाल कर दी गई है और सड़क को भी शीघ्र आवागमन हेतु सुचारू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

रक्षाबंधन प्रेम, विश्वास और सामाजिक सद्भाव का प्रतीकः राज्यपाल

हमारे संवाददाता

देहरादून। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आज राजभवन में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) को रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं दीं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए रक्षाबंधन को प्रेम, विश्वास और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया। इसी क्रम में एसओएस चिल्ड्रन विलेज भीमताल, सेपियंस स्कूल विकासनगर तथा हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड की छात्राओं ने भी राज्यपाल को राखी बांधकर शुभकामनाएं प्रेषित की।

राज्यपाल ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे त्यौहार हमें अपने संबंधों की पवित्रता और समाज में एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देते हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, अटूट स्नेह और विश्वास का प्रतीक है, जो पारिवारिक बंधनों को और मजबूत करता है तथा समाज में प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना को गहरा बनाता है।

इस अवसर पर प्रथम महिला गुरमीत कौर, वित्त नियंत्रक राज्यपाल डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्लाइड आने से बंद मार्ग पुनः खुला

संवाददाता

उत्तरकाशी। भारी बारिश में भटवाडी के पास औंगी में स्लाइड आने से सडक बंद हो गयी थी। जिसको जेसीबी व पोकलैंड के माध्यम से पुनः खुलवा दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार आज रात की भारी बारिश में भटवाडी के पास औंगी में स्लाइड आने से सड़क बंद हो गई थी। पीडब्ल्यूडी की जेसीबी और पोकलैंड के माध्यम से उक्त सड़क आज पुनः खुलवा दी गई है जिससे लिमचीगाड में बन रहे वैली ब्रिज तक दोबारा वाहनों का आवागमन सुचारू हो गया है।

लिमचीगाड में वैली ब्रिज का कार्य प्रगतिशील है जिसके आज देर रात तक बन जाने की उम्मीद है। इससे आगे की सड़क खुलवाने हेतु भटवाड़ी में पीडब्ल्यूडी के मशीन और गेबियन स्ट्रक्चर तैयारी हालत में है। जिन्हें सोन गाड में ढाई सौ मीटर और 300 मीटर के दो वाशआउट हुए एरिया को दोबारा वाहनों के आवागमन हेतु बनाने के कार्य में लगाया जाएगा। हर्षिल एयरटेल कंपनी की एक टीम भी आज हेलीकॉप्टर से भेज दी गई है एवं उन्हें हर्षिल में 100 लीटर ईंधन उपलब्ध करा दिया गया है, जिससे आज एयरटेल के दो टावर ऑपरेशनल हो जाएंगे। इससे हरसिल और धराली क्षेत्र में मोबाइल कनेक्टिविटी में गुणात्मक सुधार होने की आशा है।

प्रभावित क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह सुचारू करने हेतु यूपीसीएल की टीम के साथ हैवी वायर प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा दिए गए हैं जिससे सामान्य विद्युत व्यवस्था जल्दी ही स्थापित होने की उम्मीद है। वैली ब्रिज निर्माण की साइट पर एसडीआरएफ एवं पुलिस की टीम रात दिन तैनात है जिससे कार्य सुचारू बना रहे एवं किसी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके। इसी प्रकार सभी लैंडस्लाइड जोन में पुलिस बल तैनात किया गया है। मातली एवं चिनियालीसौड़ हेलीपैड पर पुलिस की ओर से निर्माण एजेंसियों एवं अन्य लाइन डिपार्टमेंट की सामग्री भिजवाने हेतु प्राथमिकता पर सहयोग किया जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।